कोई लाख करे कितना जतन रे | By Mukesh Bagda |

कोई लाख करे कितना जतन रे,
होनी सदा ही होवे।
होनी बड़ी प्रबल है प्यारे,
टाले ना टले,
कोई लाख करे कितना जतन रे।

होनी का कहर तो एक दिन,
अर्जुन पे जब टूटा,
गांडीव के रहते उसको,
भीलों ने झट लूटा।
होनी के आगे एक ना,
किसी की चले,
कोई लाख करे कितना जतन रे।

होनी के वश में होकर,
कैकई ने हठ पकड़ी,
रघुवर को वन में भेजा,
मन ही मन वो अकड़ी।
दशरथ को खोकर रानी,
हाथों को मले,
कोई लाख करे कितना जतन रे।

होनी के कहर ने भक्तों,
श्रवण को ना छोड़ा,
आया था नीर भरन को,
सरयू पे दम तोड़ा।
अंधे माँ-बाप विरह की,
आग में जले,
कोई लाख करे कितना जतन रे।

होनी से कौन बचा है,
होनी जिस पर टूटे,
पांडव सब मूक खड़े थे,
कौरव अस्मत लुटे।
'हर्ष' कहे होनी तो होगी,
टाले ना टले,
कोई लाख करे कितना जतन रे।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%8b%e0%a4%88-%e0%a4%b2%e0%a4%be%e0%a4%96-%e0%a4%95%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a4%bf%e0%a4%a4%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9c%e0%a4%a4%e0%a4%a8-%e0%a4%b0%e0%a5%87-by-mukesh-bagda/